भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 240
03 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ई-संजीवनी ओपीडी

240. श्री दीपसिंह शंकरसिंह राठौड़:
श्री मोहनभाई कल्याणजी कुंडारिया:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ई-संजीवनी ओपीडी के मुख्य उद्देश्य और मुख्य विशेषताएं क्या हैं और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या कोई ई-संजीवनी ओपीडी ऐप विकसित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गुजरात राज्य में प्रयोक्ताओं द्वारा लगाए गए प्रतिष्ठानों की जिला-वार कुल संख्या कितनी है;

(ग) प्रयोक्ताओं द्वारा कितने परामर्श मांगे गए हैं और इस पर उनकी क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या इस योजना को नागरिकों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयास किए गए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (ङ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ई-संजीवनी, एक टेलीमेडिसिन एप्लिकेशन तैयार की है, जो डॉक्टर से डॉक्टर (एचडबल्यूसी मॉड्यूल) और मरीज से डॉक्टर परामर्श सेवाएँ (ओपीडी मॉड्यूल) प्रदान करती है। यह एप्लिकेशन हब और स्पोक मॉडल पर काम करती है। हब स्तर पर, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और परिचर्या केंद्र (एचडबल्यूसी) को एक विशेषज्ञ डॉक्टर सेवाएँ प्रदान करता है। ई-संजीवनी एप्लिकेशन ओपीडी मॉड्यूल में भी उपलब्ध है और जिसने भी इसे इन्स्टाल किया है उनको सेवाएँ प्रदान करती है।

दिनांक 30 जनवरी 2023 तक, ई-संजीवनी एचडबल्यूसी मॉड्यूल 15,594 हब और 1,14,214 स्पोकस पर कार्यरत है। इसका ओपीडी मॉड्यूल गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध है और 5,56,259 प्रयोक्ताओं द्वारा इसे इन्स्टाल किया गया है।

दिनांक 30 जनवरी 2023 तक, ई-संजीवनी ओपीडी मोड्यूल के माध्यम से कुल 95.88 लाख और एचडबल्यूसी मॉड्यूल के माध्यम से 8.69 करोड़ टेलीपरामर्श परामर्श किए गए हैं।

सरकार ने टेलीमेडिसिन सेवाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने और जन साधारण में जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफोर्म्स के माध्यम से स्थानीय भाषाओं में शॉर्ट विडियो, विज्ञापन विवरणिका/पत्रिका आदि जैसे कदम उठाए हैं।

*****